अध्याय - 01

जनसंख्या

वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

- सामान्य परिचय
- जनसंख्या का वितरण
- जनसंख्या का घनत्व
- जनसंख्या की वृद्धि
- जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ
- जनसंख्या संघटन

सामान्य परिचय

- लोग किसी देश के अत्यंत महत्त्वपूर्ण घटक होते हैं।
- भारत अपनी 102.8 करोड़ (2001) (तथा जनगणना 2011 के अनुसार 1210854977) जनसंख्या के साथ चीन के बाद विश्व में दूसरा सघनतम बसा हुआ देश हैं।
- हमारे देश में जनसंख्या के आँकड़ों को प्रति दस वर्ष बाद होने वाली जनगणना द्वारा एकत्रित किया जाता है।
- भारत की जनसंख्या उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और आस्ट्रेलिया की मिलाकर कुल जनसंख्या से भी अधिक है।
- हमारे देश में जनसंख्या के आँकड़ों को प्रति दस वर्ष बाद होने वाली जनगणना द्वारा एकत्रित किया जाता है।
- भारत की पहली जनगणना 1872 ई. में हुई थी किंतु पहली संपूर्ण जनगणना 1881 ई. में संपन्न हुई थी।

जनसंख्या का वितरण

- भारत में जनसंख्या के वितरण का प्रतिरूप अत्यधिक असम है।
- देश मे उत्तर प्रदेश की जनसंख्या सर्वाधिक है, इसके पश्चात महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश का स्थान है।
- तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और गुजरात के साथ उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश की जनसंख्या मिलकर देश की कुल जनसंख्या का लगभग 76 प्रतिशत भाग है। दूसरी ओर जम्मू और कश्मीर (0.98%), अरुणाचल प्रदेश (0.11%) और उत्तराखण्ड (0.83%) जैसे राज्यों की जनसंख्या का आकार इनके विशाल भौगोलिक क्षेत्र के बावजूद अत्यंत छोटा है।

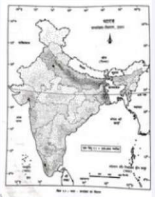

- भारत में जनसंख्या का ऐसा असम स्थानिक वितरण देश की जनसंख्या और भौतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा ऐतिहासिक कारकों के बीच घनिष्ठ संबंध प्रकट करता है।
- उत्तर भारत के मैदानों, डेल्टाओं और तटीय मैदानों में जनसंख्या का अनुपात दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों के आंतरिक जिलों, हिमालय, उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी कुछ राज्यों की अपेक्षा उच्चतर है। फिर भी, सिंचाई के विकास (राजस्थान), खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता (झारखंड) और परिवहन जाल के विकास (प्रायद्वीपीय राज्यों) के परिणामस्वरूप उन क्षेत्रों में जो पहले विरल जनसंख्या क्षेत्र थे वे अब जनसंख्या के मध्यम् से उच्च संकेन्द्रण के क्षेत्र हो गए हैं।
- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बंगलौर, पुणे, अहमदाबाद, चेन्नई और जयपुर के नगरीय क्षेत्र औद्योगिक विकास और नगरीकरण के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण-नगरीय प्रवासियों को आकर्षित कर रहे हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में जनसंख्या का उच्च सांद्रण पाया जाता है।

© JCERT not to be republished

जनसंख्या का घनत्व

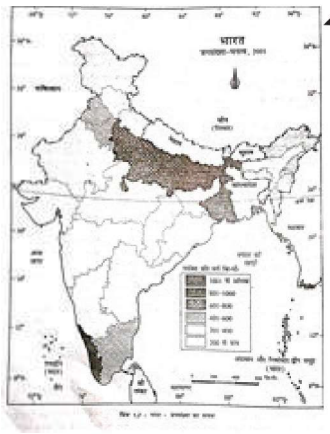

- जनसंख्या के घनत्व को प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है।
- भारत का जनसंख्या घनत्व 324 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. (2001) है (जनगणना 2011 के अनुसार 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर) जो एशिया के सघनतम बसे देशों बांग्लादेश (849 व्यक्ति) और जापान (334 व्यक्ति) के बाद तृतीय स्थान पर है।
- 1951 ई. में जनसंख्या का घनत्व 117 व्यक्ति/ वर्ग कि.मी. से बढ़कर 2001 में 324 व्यक्ति/प्रतिवर्ग कि.मी. होने से विगत 50 वर्षों में 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. की उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।
- कुछ आँकड़े देश में जनसंख्या घनत्वों की स्थानिक भिन्नता का आभास कराते हैं जो अरुणाचल प्रदेश में कम से कम 13 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. (17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. जनगणना 2011) से लेकर दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 9294 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. (11320 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. जनगणना 2011) तक है।
- उत्तरी भारत के राज्यों पश्चिम बंगाल (904), बिहार (880) और उत्तर प्रदेश (689) में जनसंख्या घनत्व उच्चतर है।
- जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में (1106) पश्चिम बंगाल में (1028)उत्तर प्रदेश में (829) जनसंख्या घनत्व है
- असम, गुजरात, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा में मध्यम घनत्व पाया जाता है।
- हिमालय प्रदेश के पर्वतीय राज्यों और असम को छोड़कर भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अपेक्षाकृत निम्न घनत्व हैं
- अंडमान और निकोबार द्वीपों को छोड़कर केंद्र शासित प्रदेशों में जनसंख्या के उच्च घनत्व पाए जाते हैं।
- जनसंख्या घनत्व = कुल जनसंख्या / कुल क्षेत्रफल।
- कायिक घनत्व = कुल जनसंख्या / निवल कृषित क्षेत्र ।
- कृषीय घनत्व = कुल कृषि जनसंख्या / निवल कृषित क्षेत्र ।
- कृषि जनसंख्या में कृषक, कृषि मजदूर और उनके परिवार के सदस्य सम्मिलित होते हैं।

© JCERT not to be republished

जनसंख्या की वृद्धि

- जनसंख्या वृद्धि दो समय बिंदुओं के बीच किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन को कहते हैं। इसकी दर को प्रतिशत में अभिव्यक्त किया जाता है।
- जनसंख्या वृद्धि के दो घटक होते हैं, जिनके नाम हैं-प्राकृतिक (Natural) (जन्म दर और मृत्यु दर) और अभिप्रेरित (Induced) (प्रवास)
- भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 2.4 प्रतिशत है। वृद्धि की इस वर्तमान दर से अनुमान लगाया गया है कि अगले 36 वर्षों में देश की जनसंख्या दुगुनी हो जाएगी और यहाँ तक कि चीन की जनसंख्या को भी पार कर जाएगी।
- जनसंख्या के दुगुना होने का समय वर्तमान वार्षिक वृद्धि दर पर किसी भी जनसंख्या के दुगुना होने में लगने वाला समय है।
- विगत एक शताब्दी में भारत में जनसंख्या की वृद्धि की चार सुस्पष्ट प्रावस्थाओं को पहचाना गया है।
- प्रावस्था क : 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की रूद्ध अथवा स्थिर प्रावस्था कहा जाता है क्योंकि इस अवधि में वृद्धि दर अत्यंत निम्न थी, यहाँ तक कि 1911- 1921 के दौरान ऋणात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई। जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ऊँचे थे जिससे वृद्धि दर निम्न बनी रही।
- प्रावस्था ख: 1921-1951 के दशकों को जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि के रूप में जाना जाता है। देश-भर में स्वास्थ्य और स्वच्छता में व्यापक सुधारों ने मृत्यु दर को नीचे ला दिया। साथ ही साथ बेहतर परिवहन और संचार तंत्र से वितरण प्रणाली में सुधार हुआ। फलस्वरूप अशोधित जन्म दर ऊँची बनी रही ।
- प्रावस्था ग:1951-81 के दशकों को भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर में तीव्र ह्रास और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर तथा तिब्बतियों, बांग्लादेशियों, नेपालियों, पाकिस्तानी शरणार्थियों के कारण हुआ। औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत- तक ऊँची रही।
- प्रावस्था घ 1981 के पश्चात् वर्तमान तक देश की जनसंख्या की वृद्धि दर, यद्यपि ऊँची बनी रही, परंतु धीरे-धीरे मंद गति से घटने लगी ऐसी जनसंख्या वृद्धि के लिए अशोधित जन्म दर की अधोमुखी प्रवृत्ति को उत्तरदायी माना जाता है। बदले में यह देश में विवाह के समय औसत आयु में वृद्धि जीवन की गुणवत्ता विशेष रूप से स्त्री शिक्षा में सुधार से प्रभावित हुई।
- विश्व विकास रिपोर्ट द्वारा यह प्रक्षेपित किया गया है। कि 2025 ई. तक भारत की जनसंख्या 135 करोड़ को स्पर्श करेगी।

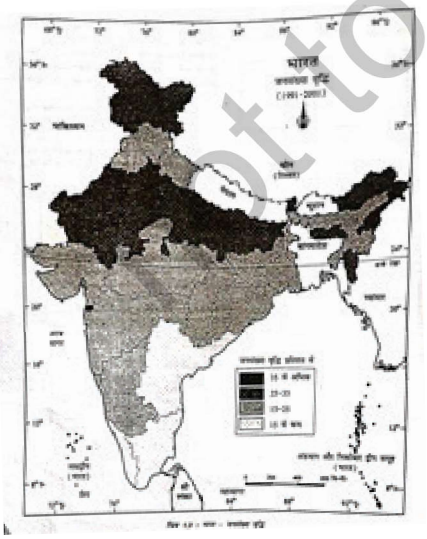

तालिका 1.1 : भारत में दशकीय वृद्धि दर, 1901-2001

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि दर•	
		निरपेक्ष संख्या	वृद्धि का %
1901	238396327	----------	----------
1911	252093390	(+) 13697063	(+) 5.75
1921	251321213	(-) 772117	(-) 0.31
1931	278977238	(+) 27656025	(+) 11.60
1941	318660580	(+) 39683342	(+) 14.22
1951	361088090	(+) 42420485	(+) 13.31
1961	439234771	(+) 77682873	(+) 21.51
1971	548159652	(+) 108924881	(+) 24.80
1981	683329097	(+) 135169445	(+) 24.66
1991	846302688	(+) 162973591	(+) 23.85
2001	1028610328	(+) 182307640	(+) 21.54
2011**	1210193422	(+) 181583094	(+) 17.64

• दशकीय वृद्धि दर: $g = \frac{P_2 - P_1}{P_2} \times 100$

जहाँ P_1 = आधार वर्ष की जनसंख्या, P_2 = वर्तमान वर्ष की जनसंख्या

** स्रोत: भारत की जनगणना, 2011 (अंतरिम)

© JCERT not to be republished

जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ

- 1991-2001 के दौरान भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनसंख्या की वृद्धि दर सुस्पष्ट प्रतिरूप दर्शाती है।
- केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पुदुच्चेरी और गोआ जैसे राज्यों में निम्न वृद्धि दर पाई जाती है जो दशक में 20 प्रतिशत से अधिक नहीं हुई। केरल (9.4%) में न केवल इस वर्ग के राज्यों में बल्कि पूरे देश में भी निम्नतम वृद्धि दर दर्ज की गई है।
- देश के उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और उत्तर-मध्य भागों में पश्चिम से पूर्व स्थित राज्यों की एक सतत पेटी में दक्षिणी राज्यों की अपेक्षा उच्च वृद्धि दरं पाई जाती है। इस पेटी के राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड में औसत वृद्धि दर 20-25 प्रतिशत रही।

जनसंख्या संघटन

- जनसंख्या संघटन, जनसंख्या भूगोल के अंतर्गत अध्ययन का एक सुस्पष्ट क्षेत्र है जिसमें आयु व लिंग का विश्लेषण, निवास का स्थान, मानवजातीय लक्षण, जनजातियाँ, भाषा, धर्म, वैवाहिक स्थिति, साक्षरता और शिक्षा, व्यावसायिक विशेषताएँ आदि का अध्ययन किया जाता है।

ग्रामीण-नगरीय संघटन

- देश की कुल जनसंख्या का लगभग 72 प्रतिशत भाग गाँवों में रहता है।
- सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में 6,38,588 गाँव हैं जिनमें से 5,93,731 (93 प्रतिशत) गाँव बसे हुए हैं? फिर भी पूरे देश में ग्रामीण जनसंख्या का वितरण समान नहीं है।
- बिहार और सिक्किम जैसे राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत बहुत अधिक है।
- दूसरी ओर दादरा और नगर हवेली (77.1 प्रतिशत) को छोड़कर केंद्र शासित प्रदेशों का लघु अनुपात ही ग्रामीण जनसंख्या का है।
- गाँवों का आकार भी काफ़ी हद तक भिन्न है। उत्तर-पूर्वी भारत पहाड़ी राज्यों, पश्चिमी राजस्थान और कच्छ के रन में यह 200 व्यक्तियों से कम और केरल व महाराष्ट्र के कुछ भागों में यह 17,000 व्यक्ति तक पाया जाता है।
- ग्रामीण जनसंख्या के विपरीत भारत में नगरीय जनसंख्या का अनुपात (27.8 प्रतिशत) (2011 तक यह 31.16% हो गया है) था।
- वास्तव में 1931 ई. से नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर संवृद्ध आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संबंधी दशाओं में सुधार के कारण तेजी से बढ़ी है। कुल जनसंख्या की भाँति नगरीय जनसंख्या के वितरण में भी देश भर में भिन्नताएँ पाई जाती हैं।
- उत्तरी भारत के मैदानों में मुख्य सड़कों के मिलन बिंदुओं और रेलमार्गों से सटे हुए नगरीय क्षेत्रों, कोलकाता, मुंबई, बंगलौर-मैसूर, मदुरै- कोयम्बटूर, अहमदाबाद- सूरत, दिल्ली, कानपुर और लुधियाना-जालंधर में ग्रामीण-नगरीय प्रवास सुस्पष्ट है।
- कृषि की दृष्टि से प्रगतिरुद्ध मध्य और निम्न गंगा के मैदानों, तेलंगाना,का असिंचित पश्चिमी राजस्थान, उत्तर-पूर्व के दूर-दराज के पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों, प्रायद्वीपीय भारत के बाढ़ संभावित क्षेत्रों और मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग में नगरीकरण का स्तर निम्न रहा है।

© JCERT not to be republished

अभ्यास

A. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

(1) सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या निम्नलिखित में से कौन सी है?

(क) 102.8 करोड़ (ख) 318.2 करोड़। (ग) 328.7 करोड़ (घ) 2 करोड़

उत्तर - (क) 102.8 करोड़

(2) निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है?

(क) पश्चिम बंगाल (ख) केरल (ग) उत्तर प्रदेश। (घ) पंजाब

उत्तर - (क) पश्चिम बंगाल

(3) सन् 2001 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है?

(क) तमिलनाडु (ख) महाराष्ट्र (ग) केरल। (घ) गुजरात

उत्तर - (क) तमिलनाडु

(4) निम्नलिखित में से कौन-सा एक समूह भारत में विशालतम भाषाई समूह है?

(क) चीनी-तिब्बती (ख) भारतीय आर्य (ग) आस्ट्रिक (घ) द्रविड़

उत्तर - (ख) भारतीय आर्य

© JCERT not to be republished

B. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(1) भारत के अत्यंत ऊष्ण एवं शुष्क तथा अत्यंत शीत व आर्द्र प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व निम्न है। इस कथन के दृष्टिकोण से जनसंख्या के वितरण में जलवायु की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों में जलवायु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । मनुष्य तापमान, वर्षा तथा आर्द्रता के कुछ अनुकूल परिस्थितियों में ही रह सकता है । अत्यंत ठंडे प्रदेशों तथा अत्यंत गर्म और शुष्क मरुस्थली प्रदेश अपनी जलवायु संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण जनसंख्या को आकर्षित नहीं करते। जैसे जम्मू एवं कश्मीर में सर्दी के मौसम में लेह एवं द्रास में तापमान-45 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है, इसीलिए जम्मू एंड कश्मीर तथा अरुणाचल प्रदेश का जनसंख्या घनत्व क्रमशः 124 तथा 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया जाता है

इसी प्रकार राजस्थान के मरुस्थल में तापमान गर्मी में 50 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक हो जाता है जिसके कारण जनसंख्या घनत्व इन क्षेत्रों में निम्न पाया जाता है

इसी प्रकार उत्तर पूर्व में स्थित मेघालय में वार्षिक वर्षा 400 सेंटीमीटर से ज्यादा होती है जिससे यहां का जन घनत्व 132 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया जाता है

(2) भारत के किन राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या है? इतनी विशाल ग्रामीण जनसंख्या के लिए उत्तरदायी एक कारण को लिखिए।

उत्तर — भारत में सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले राज्य क्रमश: उत्तर प्रदेश - (155.31 मिलियन), बिहार - (92.34), पं. बंगाल - (62.18), तथा महाराष्ट्र (61.55 मिलियन) है। इन राज्यों में जनसंख्या का विशाल समूह ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जिसका महत्वपूर्ण उत्तरदायी कारक उपजाऊ भूमि है।

उत्तर प्रदेश, बिहार तथा पं बंगाल मे अनेक नदियों द्वारा लाये गये अपरदित पदार्थो से जलोढ़ मृदा का निर्माण किया गया है जो अत्यन्त ऊपजाऊ मृदा होती है। जिसके कारण इन राज्यों की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों मे संलग्न है। महाराष्ट्र के सर्वाधिक क्षेत्रफल पर काली मृदा का विस्तार पाया जाता है, जिस पर कपास की खेती बड़े पैमाने पर किया जाता है, अतः लोगो का बड़े समूहों मे अवश्यकता पड़ती है। यही कारण है कि इन राज्यों की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रो में निवास करती है।

© JCERT not to be republished

(3) भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम सहभागिता ऊँची क्यों है?

उत्तर- भारत जैसे देश के संदर्भ में ऐसा समझा जाता है कि आर्थिक विकास के निम्न स्तर वाले क्षेत्रों में श्रम की सहभागिता दर ऊंची होती है, क्योंकि निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं के निष्पादन के लिए अनेक कामगारों की जरूरत पड़ती है। जैसे- गोवा आर्थिक रूप से संपन्न राज्य है, जहां श्रमजीवी जनसंख्या लगभग 25% है, जबकि मिजोरम में लगभग 53% है जो आर्थिक रूप से संपन्न नहीं है।

इसी प्रकार श्रमिकों के अपेक्षाकृत अधिक प्रतिशत वाले अन्य राज्यों में हिमाचल प्रदेश, सिक्किम छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश नागालैंड, मणिपुर एवं मेघालय है।

(4) "कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-भारत के कार्यशील जनसंख्या का सर्वाधिक भाग प्राथमिक क्रिया में संलग्न है ।कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 58.2% कृषक और कृषि मजदूर हैं ।पुरुष श्रमिकों की अपेक्षा महिला श्रमिकों की संख्या कृषि सेक्टर में अधिक है।हिमाचल प्रदेश एवं नागालैंड जैसे राज्यों में कृषकों की संख्या अधिक है तो दूसरी ओर आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश में कृषि मजदूरों की संख्या अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है।

C. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

(1) भारत में जनसंख्या के घनत्व के स्थानिक वितरण की विवेचना कीजिए।

(2) भारत की जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन का विवरण दीजिए।

© NCERT not to be republished